# पाठ १४ बरखा और मेघा

## कहानी का सारांश

इस कहानी में मुर्गी और बत्तख दो सहेलियाँ आपने तीन - तीन बच्चो के साथ दुसरे गाँव मेला देखने जा रहे थे। रास्ते में नदी आ गई, मुर्गी डर गई, सोचने लगी की नदी कैसे पार करेंगे तभी बत्तखने जुगत बताई। बत्तख पे सवार होकर मुर्गी और उसके बच्चो ने नदी पार कर ली। सब खुश होकर उछल पड़े।

**शिक्षा:-** इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है की साथ मिलकर एक-दूसरे के सहयोगसे कठिन चुनौती का भी सामना किया जा शकता हैं।

**शब्दार्थ:**

- मेला: एक बड़ा सा सार्वजनिक आयोजन जिसमें लोग एकत्रित होकर खरीदारी, मनोरंजन आदि करते हैं।
- गाँव: एक छोटा सा ग्रामीण समुदाय।
- नदी: एक लंबा और चौड़ा जलधारा जो एक स्थान से दूसरे स्थान तक बहती है।
- जुगत: कोई नई और चतुराई भरी योजना।
- उछल पड़ना: अचानक से खुशी या उत्साह से ऊपर उठ जाना।

egyanarchive

# प्रश्न-अभ्यास

## बातचीत के लिए

**1. मेघा और बरखा ने बच्चों के साथ नदी कैसे पार की?**

**उत्तर:-** मेघा और बरखा ने बच्चों के साथ नदी एक-दूसरे के ऊपर बैठकर पार की।

**2. मेघा और बरखा ने बच्चों ने मेले में क्या-क्या किया होगा?**

**उत्तर:-** मेघा और बरखा ने बच्चों के साथ मेले में बहुत सारी चीजें की होंगी। उन्होंने खेल-खिलौने खरीदे होंगे, झूलों पर झूले होंगे, सर्कस देखा होगा, और मिठाइयाँ खाई होंगी। उन्होंने एक-दूसरे के साथ बहुत सारी मस्ती भी की होगी।

**3. मेले से घर लौटते समय मेघा और बरखा के बच्चें आपस में क्या बातें कर रहे होंगे?**

**उत्तर:-** मेले से घर लौटते समय मेघा और बरखा के बच्चें एक-दूसरे से अपनी मेले की यात्रा के बारे में बातें कर रहे होंगे।

**4. मेला आपके घर से कितनी दूर लगता है? आप वहाँ कैसे पहुँचते हैं?**

**उत्तर:-** मेरे घर से मेला लगभग 10 किलोमीटर दूर लगता है। मैं वहाँ बस या कार से पहुँच सकता हूँ।

**5. नीचे दिए चित्र को देखिए और गिनकर बताइए कि मुर्गी और बत्तख के कितने-कितने बच्चे हैं –**

**उत्तर:-** चित्र के अनुसार, मुर्गी के तीन और बत्तख के भी तीन बच्चे है।

egyanarchive